(हरियाणा) के मांगेराम शर्मा ने अपनी-अपनी राज्य इकाई का काम-काज का विवरण प्रस्तुत किया।

डीजेए के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने 'उपजा' नाम पर उठ रहे विवाद पर उत्तर-प्रदेश इकाई के महासचिव श्री सर्वेश कुमार सिंह से स्थिति साफ करने को कहा। जिस पर श्री सर्वेश कुमार सिंह ने विस्तार से बताया और कहा कि 'उपजा' नाम पर कहीं कोई विवाद नहीं है और न ही किसी न्यायालय ने हमें उपजा नाम प्रयोग करने पर रोक लगाई है। श्री सर्वेश ने यह भी कहा कि हमारे पास इस बारे में पूरे प्रमाण-पत्र है।

आम सभा के अंतिम सत्र में विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये गये। बिश्वदेव भट्टाचार्य ने मीडिया कमीशन बनाये जाने, सुरेश शर्मा ने पत्रकारों के टेप प्रकरण की जांच कराने का, गुलाब बत्रा ने अनुबंध प्रथा के विरोध में प्रस्ताव रखा। सभी प्रस्ताव आमराय से पारित कर दिए गए। इसके बाद डीजेए अध्यक्ष मनोज वर्मा व ओयूजे के अध्यक्ष प्रसन्ना मोहंती ने एनयूजे के संविधान की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने का प्रस्ताव, प्रसन्ना मोहंती ने एनयूजे के चुनाव-प्रक्रिया में कुछ बदलाव और जम्प के अध्यक्ष सुरेश शर्मा द्वारा जर्नलिस्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के संचालक मंडल का पुनर्गठन, हर दो साल बाद चुनावों द्वारा संचालक मंडल चुनाव, जो एनयूजे का सदस्य न हो उसे जर्नलिस्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के संचालक मंडल में न रखा जाए तथा जर्नलिस्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के संचालक मंडल के सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाने व एनयूजे से संबंद्ध प्रादेशिक इकाई में से प्रत्येक का एक या उससे अधिक भी सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखा। ओयूजे के अध्यक्ष श्री प्रसन्ना मोहंती ने श्री एन. जे. प्रसाद और मोहन यादव की अगुवाई वाले जाप को एनयूजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बेंगलुरु बैठक (13-14 फरवरी 2010) के उस प्रस्ताव को जिसमें यह लिखा गया था कि 'जाप' को एनयूजे से असंबंद्ध किया जाता है, को रद्द करने तथा फिर से 'जाप' को संबंद्ध करने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया।

अधिवेशन के समापन समारोह में युवा सांसद व उद्योगपति नवीन जिंदल और गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी के अध्यक्ष आचार्य यशपाल ने हिस्सा लिया। महासचिव श्री रासविहारी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, ओमशांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बहन बी.के. आशा, ओआरसी के बी.के. सुशांत, कार्यक्रम संयोजक श्री संजय राठी व हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स और दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के सभी सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। अधिवेशन में पधारे एनयूजे के सभी साथियों का शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए उन्होंने विशेष तौर पर आभार जताया।

समापन समारोह के बाद एनयूजे की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एनयूजे के सभी बैंक खाते व सवाधि जमा राशियों के प्रयोग करने संबंधी सभी अधिकार नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महासचिव व कोषाध्यक्ष को दिये गये। बैठक में दक्षिण क्षेत्र से एनयूजे उपाध्यक्ष श्री आलम मेंहदी (जाप) ने कार्यकारिणी सदस्य पद से अपना इस्तीफा दिया। रिक्त पद के लिए एनयूजे अध्यक्ष को मनोनयन के फैसला के लिए अधिकृत किया गया। पूर्व अध्यक्ष डॉ. एन. के. त्रिखा, श्री राजेन्द्र आर प्रभु, श्री अच्युतानंद मिश्र व पूर्व महासचिव गुलाब बत्रा को स्थायी विशेष आंमत्रित मनोनीत करने की घोषणा की गई। उसके बाद कार्यकारिणी ने रविन्द्र जायसवाल उत्तर प्रदेश, सुरेश पारीख, ताराशंकर जोशी (राजस्थान), वेनुगोपालन (कर्नाटक), प्रशांत चक्रवती (गुजरात) और रवि मीनाक्षी सुंदरम (तमिलनाडु) को बतौर विधि विशेषज्ञ को आमंत्रित सदस्य बनाने का फैसला किया। अन्य राज्यों से विशेष आमंत्रित सदस्य राज्य इकाइयों के अध्यक्ष-महासचिव से विचार-विमर्श कर मनोनयन करने का फैसला किया गया। बैठक अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन के बाद संपन्न हुई।